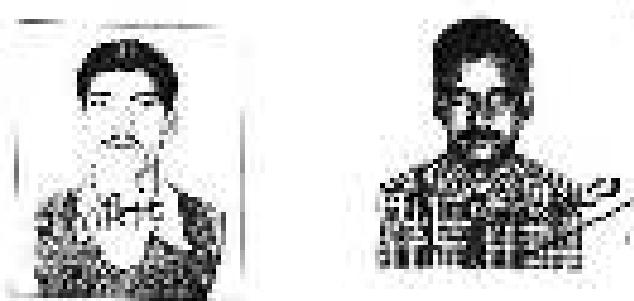




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1. 275793



विवर निम्नों

अंकुर के लाभ -	₹ 2,16,25/-
परमह दूष -	₹ 6,281,344/-
लकड़ी के लाभ -	₹ 6,24,000/-

1. बृंदा एवं अन्या	-	कृष्ण
2. लकड़ी	-	बालराम
3. राम	-	ब्रह्मदत्त एवं द्वारका
4. उमा एवं विष्णु	-	सुनील एवं राम 1,000

Doc ID: 6145444 | Page: 1/1

Digitized by srujanika@gmail.com
Digitized by srujanika@gmail.com



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

२५०००

१९४७

लेखा, असु लख ३४८ नम्बर ०,
१९४७ का हुव रिव १८८८ फिल्ड
अ १२२ वा २८८ १३९६ फिल्ड
फिल नं - दुर्घासना दुर्घा
पारा दिल्ली १९४७ - विक्र
कालांग।

लिखा

१. वारा व श्वर	-
२. उष्णीश व वेदा	-
३. उष्णीश व लौ	-
४. उष्णीश व लक्ष्मी	-
५. ऐसे जो गिरि	-
६. वारा दुर्घा जाह	-
	१. लाला फिल्डर
	दुर्घा-दुर्घा जिव असरदीज ना जे
	दुर्घा दुर्घा नोड जे विल
	२. दुर्घा
	३. दुर्घा दुर्घा
	४. दुर्घा दुर्घा दुर्घा

१९४७

१९४७
१९४७
१९४७



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

232794

संकालन नम्बर 40-330

संकालन	नंबर 40-333
प्रौद्योगिकी	नंबर 40-333/TH
पुस्तक	ज्ञाप 40-333
पत्रिका	ज्ञाप 40-333/241/311

संकालन नम्बर 40-545

संकालन	नंबर 40-534/585/570
प्रौद्योगिकी	नंबर 40-541/585/570
पुस्तक	नंबर 40-545
पत्रिका	नंबर 40-547

प्राप्ति नम्बर 40-330-1

संकालन का विवर

प्राप्ति नम्बर 40-545-1

संकालन का विवर

संकालन का विवर

प्राप्ति नम्बर 40-330-1

प्राप्ति नम्बर 40-545-1



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

c 099385

1

तम द्वारा तुम लोक ही भवाने :	तम तुमकुन्हाएँ दूषण,	पापन विकारी, तरकीन त	दिल बहलाय ।
विष विष विषेहू विष विषेलू	जमिस ११०, दलालीय सज्जा,	दहलाय यां गं फैल लंगान	या गुणि तत वाहंसमाशीश्चु

卷之三

www.pearson.com/edtech

— 1 —

REFERENCES

भारतीय ग्रे न्यायिक INDIA NON-JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES
₹.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C-085173

महाप्रभु शिव देव का एक पुराणी निवासी जगत् उत्तर प्रदेश, अस्सी ज़िल्हा, बहरीन तहसील दिल्ली नवाबगढ़ गांव का नाम है। यह गांव दिल्ली राजधानी भीतर से लगभग १३ किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यहाँ का नाम शिव देव का एक पुराणी निवासी जगत् उत्तर प्रदेश, अस्सी ज़िल्हा, बहरीन तहसील दिल्ली नवाबगढ़ गांव का नाम है। यहाँ का नाम शिव देव का एक पुराणी निवासी जगत् उत्तर प्रदेश, अस्सी ज़िल्हा, बहरीन तहसील दिल्ली नवाबगढ़ गांव का नाम है।

द्वारा दिल्ली

द्वारा दिल्ली
द्वारा दिल्ली
द्वारा दिल्ली



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C-065179

- 6 -

यह दस लिंगों की वर्ग नम्बर ३३० लला । १०५६ लिंगों, जल्द
नम्बर ३४८ लेखा ८.८८८ लो वा लला १.८८८ लिंगों, वा १७५ वा
वर्ष १८८८ लिंगों लेखा एवं चुकावाना सुन्दर, वर्ष १८८८
लिंगों त विषय लिंगों का वर्णन, लिंगों त वर्णन है उषा उपराज
गवर्नर अधिकारी जाता उन्होंने उम आजा १८८४ में उत्तरार्द्ध में लिंगों
के नाम उपराजी चुकावा के लिए दिये हैं और लिंगों के नाम का अन्तर्र
राष्ट्रीय ग्रन्थ जनशब्दों में हो जाता है। लला अजा नम्बर लिंगों लेखा ते
वर्ष १८८८ लिंगों द्वारा दिया जाता है लिंगों लिंगों सम्बन्धीय भूमि के
वर्णन वर्णन त वर्णन है एवं वर्णन लिंगों त उपराजी चुकावा के लिए है

लिंगों लिंगों

प्राचीन विद्या विद्या विद्या
लिंगों लिंगों लिंगों
लिंगों लिंगों लिंगों



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2095160

जो उन्हें पूर्वे गुरुज्ञाम द्वारा दी है वह जो शिष्यता का दोषित
काल है वह उपरोक्त शब्दों से दूर रहना चाहिए लेकिन उसे दूर रहना एवं उसका बाहर रहना
दोष है एक शिष्यता ने इसे इस शिष्यता के दूर रहने का अधिक विवरण दिया था।
उपरोक्त उल्लंघन नहीं शिष्य है। शिष्यता ने उन्हें भूमि गति और अन्य गति
तथा श्रद्धारा व्यवहार के लिये उपरोक्त नहीं शिष्य है। वह लोटी देवा वर्षा वर्षिय में
शिष्यता है जो उसके विषयोंका विकास व उनके वर्णन में शिष्यता
उभयोंसही होते। उपरोक्त भूमि गति उपरोक्त वर्षा वर्षिय व वर्षा
तथा वर्षिय के उपरोक्त शिष्यता का वर्षा शिष्यता है, वह ही दूरी
शिष्यता है शिष्यता उसे दूरी ने दियी अन्य वर्षिय व वर्षा

卷之三

एक या दो इन्हाँ नहीं हैं एक विकला और उसके विकल्प अन्तराम बरते
जा पूर्ण आगमन प्राप्त है। उल्लेख उपरोक्त सम्पत्ति के पक्षमाला में शुल्क
विकल्प रूप से ₹ 30,165/- है जिसका उपरोक्त छेत्र बाग
विकला ले इस विकल्प के अन्त में ही गई जनुरुनी में चांचा विकल्प के
अनुभाव दूसरी बार दिया गया है एक विकल्पी प्राप्ति के विकेता यही
हांस्तार जाती है, ताकि जनुरुनी जिसका उपरोक्त छेत्र के हथ उपरोक्त
बांधन गूँही, विकल्प विकल्प इस विकल्प विकेता द्वे जल ने जनुरुनी के
उल्लागत दिया गया है, को बताएं बेच दिया है, जब विकेता ने विकल्पमुद्धु
गूँही जा रहे पर जला छेत्र को यस्तूदी बग दिया गया है। अब उत्तर
आप्ति का विकेता जथा जलने वालिसान का जैद अनिकाल नहीं है।
विकेता जे विकल्पमुद्धु बन्धते हो अपने लागिल के सुलतान आगमनी के
जथा त्रुटिया व इमेशा के लिये रैता ले हल्लान्तीत कर दिया है। अब
द्वितीय विकल्पमुद्धु सम्पत्ति के वार्षिक भाग ने अपने एकलाल लागिल
व आगमन व छेत्र ने सम्पत्ति के अप्पे बाये अप्पे उपरोक्त व उपरोक्त
जलेंगे। विकेता व जलने वालिसान उन्हें लिलो उपरोक्त व उक्तजल बाधा
नहीं आह तरीने ऐ ज है कोइ गांग वह तरीने और यदि विकल्पमुद्धु
हायाति जथवा कोई भाव हैकेता के लागिल में हूँट दे जारण या कनुनों
जड़वत या भागूर्हे गुर्हि के नारण केता या उक्तके वारिसन निषाढ़गांग
हायाति के लाठी या लांडकर या लायर में विकल जाये तो छेत्र उक्तके
वारिसन, निषाढ़गांग हायाति को यह लह देंग दिये यह अपना मन्त्रा
जुलगान पर लती व अर्ची, विकेता की बज, अबल याप्तिल शे जारये

— विकेता —

For 150/- Rs. 150/- Rs.

— विकेता —

— विकेता —

करता रहता है। इस विषय में विदेशी एवं जानकी वारिकान इन्होंने काल्पनिक दृष्टि देते हुए वाच्य देखा।

इस के विकल्प वह भी विविध रहता है कि जल सूखे लकड़गढ़ निकाल प्राप्तिकरण, लकड़गढ़ गांव छोड़ आवाह एवं विकास परियोग, लकड़गढ़ नगर अथवा विज्ञी की सरकारी वालत है। लकड़गढ़ नगर आनंदगांव नहीं कहा जाये हैं और न ही परतावेत है।

इस के फला विश्वासुदा सचिव को जारी कर दिया गया था अग्रिम अधिकारीयों ने इसने नाम दिया कर तो तो विकेता को चार्ट आपेलियन द्वारा दी गई गलत नाम दिया गया था उसको विकेता शुगानान व बड़ा कहें, विकेता को चार्ट अधिकारी न होगी।

इस के उपरोक्त असर गवर्नर ग्राम-गुरुमुखदाना। पुस्तका लकड़गढ़गांव लेज के विविध आन के अन्वयन आता है इसलिए नियोगित नामिक रेट रु 0.13.75.000/- प्रति एकेकर है वृक्ष सूखे वा निवार करनी के १५% में से रहा है इसके 25 इकायता गुणि जलते हुए रु ० ०० १७.१८.७५०/- के दिग्दार वे विशेष सूखे ०.३००६ एकेकर की भत्तिका ०० ६.७१.३४५/- होती है तब उक्त शून्यि गर १२.०५ है जिसकी सेप्ट प्रति रेट ५.०००/- के इत प्रकार शून्यि की जल भालूका गम ऐसे बहित रु ० ७.३१.३४५/- होता है जब यिकल मूल सूखे वा वजाल पूर्व में

लकड़गढ़गांव

रु ० ८.७५ / - per acre land.

प्रति एकेकर गुणि गम
जल भालूका गम

अंडेक है इन्हीं सिवाय नुस्खा लिखने मुहम् पर ये ₹ 30,79,000/- कारब
एवं अना किया जा रहा है। यह ये उपरोक्त यंकेता द्वारा कृपि ये उत्तरीय
के हिए छवि को जा रहा है। मुख्य में कोई इनाम शायद नहीं है तथा यिन्हीं
उक्त ये अवसाय गतिशीलियाँ नहीं रहती हैं व योद्धा नामक नुस्खा
यी नहीं है। तथा 200 मीटर ये अवधार में कोई निर्माण नहीं है किन्तु यहाँ
दिस्ते लिख भाव व्यापारी व जनरली बाजार योद्धा नहीं है यंकेता द्वारा
द्वारानगर गोह से ० अगर इसी घर में राज्यग 200 मीटर ये अविक द्वारा
जर लिया है। विषेन अनुचरका नाम अवश्य नामुम्बेज लगानी ये सदृश्य
नहीं है। इस विषय लिखेव के निम्नान का समला लब ऐन तथा नहिं लिया
गया है।

लिखाया यह लिखा ५० यंकेता ने देंगा के ज्ञान में लिख लिये तभी
अनुर रहे और शावकरता चले यह क्षम आने।

वार्षिक बुद्धिमत्ता विद्यय

किलो जी ₹ ३०,७९,१०५/- लाग रिक्विएट नुस्खा-७.१.५.३१५
दिनांक १६.१२.२००६ यात्रा निरन्तर थेक, एवं यात्रा बदलने योग्या हो
गए हुए।

इस प्रकार यंकेता यो गुल निक्षय द्वारा याव केह लाइर २०
३८९,१६५/- (लघ्या सात वर्ष नवासी इत्यार एवं तीन दिनांक नाव) योग्या है।
प्राप्त गुण विस्तारी प्राप्ति यंकेता योकार जरो है।

संधानक

दिनांक : १६.१२.२००६

उपलब्ध : उक्ता किंतु दिनांक नहीं

१. दोन्हात दिनांक

५/- - दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक
दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक
दोन्हात दिनांक

यंकेता

२. दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक दोन्हात दिनांक

दोन्हात दिनांक

(सत्य गुमार यिन्हों)

संकेत सोह, लखनऊ।

प्राप्तिग्रही

प्राप्तिग्रही

(केता रमन यिन्हों)

लखनऊ

प्रकाशन
२०१८-१९ वर्षातील ३० जुलाई तारीखी
प्रकाशित गोपनीय अंतर्गत
विकास कांडे ने लिखा आहे.
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता

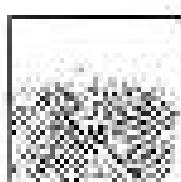
प्रकाशन
२०१८-१९ वर्षातील ३० जुलाई तारीखी
प्रकाशित गोपनीय अंतर्गत
विकास कांडे ने लिखा आहे.



कृष्णार्थ
ठवं निकायाचा (प्रथम)
संसदीय
१०१६-१०१७

विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता

विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता



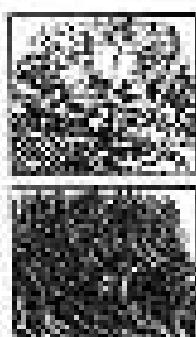
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता



विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता

विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता

विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता
विकास कांडे यांची वृत्तिशीलता

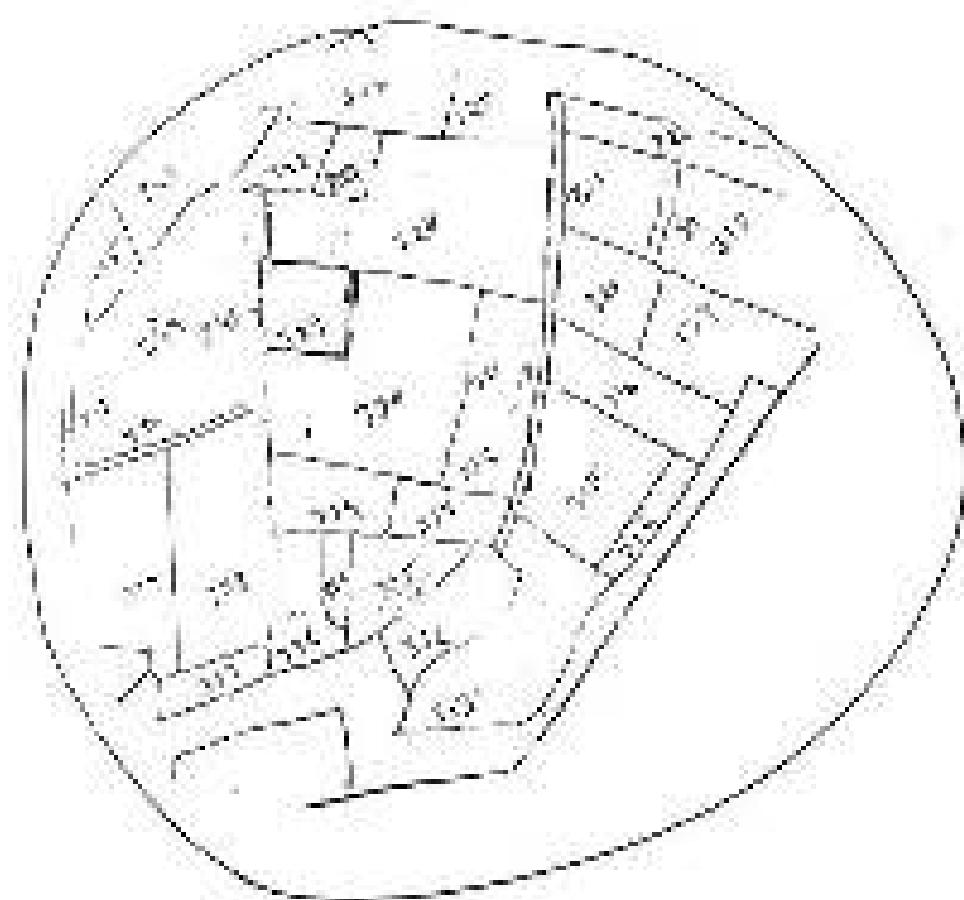


कृष्णार्थ
ठवं निकायाचा (प्रथम)
संसदीय
१०१६-१०१७

ଭାରତୀୟ ଜ୍ୟୋତିଶ୍ଚାନ୍ତିକ ପାଠ୍ୟ | ଅତ୍ୟନ୍ତମୁଖୀ ସମ୍ପଦ ପରିଚୟ

ଲେଖକ ଶ୍ରୀ ପାଠ୍ୟ

ମୁଦ୍ରଣ



ଶ୍ରୀ ପାଠ୍ୟ

ଲେଖକ

ପାଠ୍ୟ ପରିଚୟ
ପାଠ୍ୟ ପରିଚୟ
ପାଠ୍ୟ ପରିଚୟ

कृष्णनगर नं १०७३

प्रिया

वर्ष २०१६

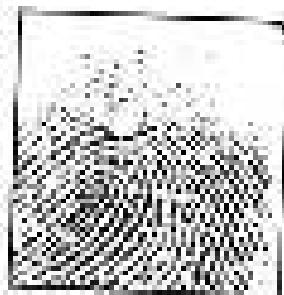
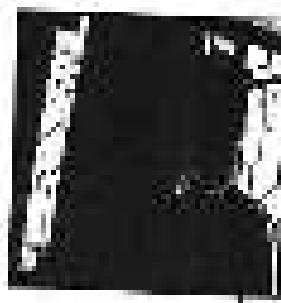
पुस्तक

०१०१ शारीर

प्राची

प्रिया का दृश्य

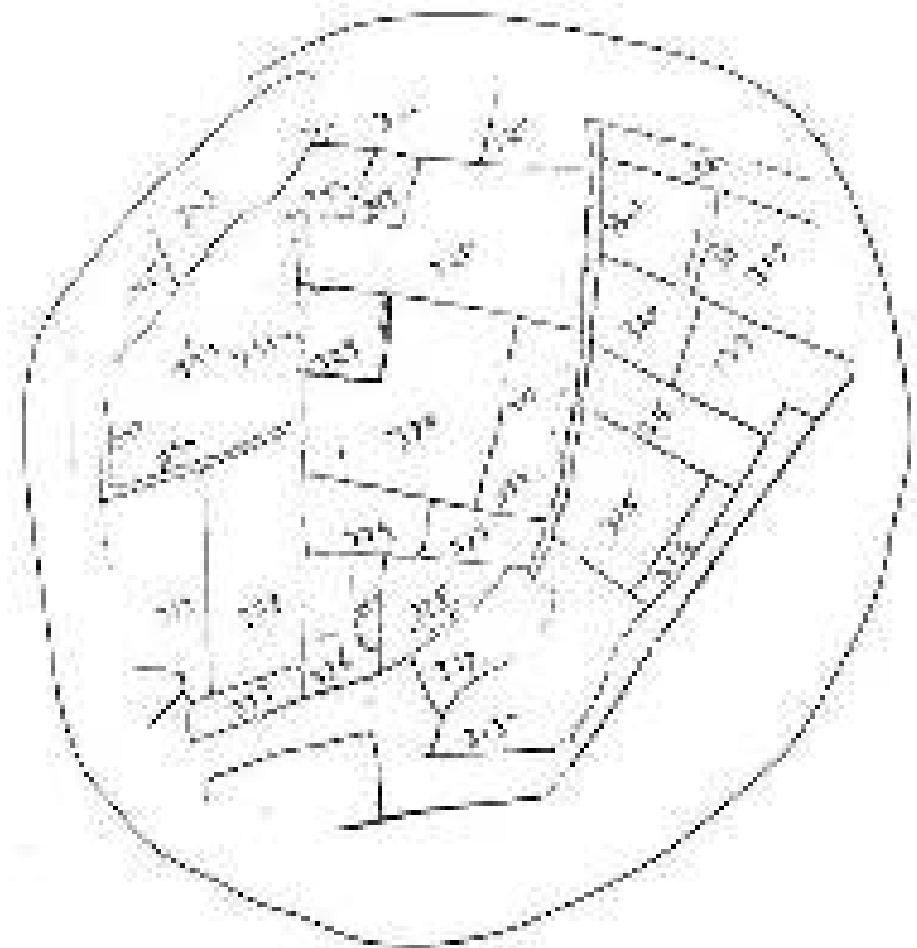
प्राची



२१४ श्री गुरु गोपाल द्वारा लिखा गया अन्तर्राष्ट्रीय ग्रन्थ

कामता द्वारा लिखा गया

कामता



कामता

कामता

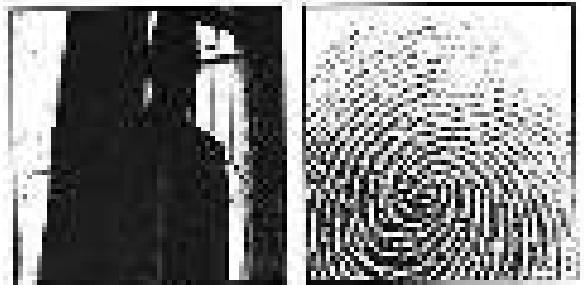
For Black Mail Publishing

दिल्ली लॉगो

Advanced Drawing

Registration No. 10133 Year: 2006 Book No.: 1

000: निराकार जीवन का दर्शक एवं विद्या ग्रन्थ
प्रकाशन संस्था
लखनऊ उत्तर प्रदेश
भारत



रजिस्ट्रेशन अधिकारी 1908 की धारा - 32 द्वारे अनुबालित होता,

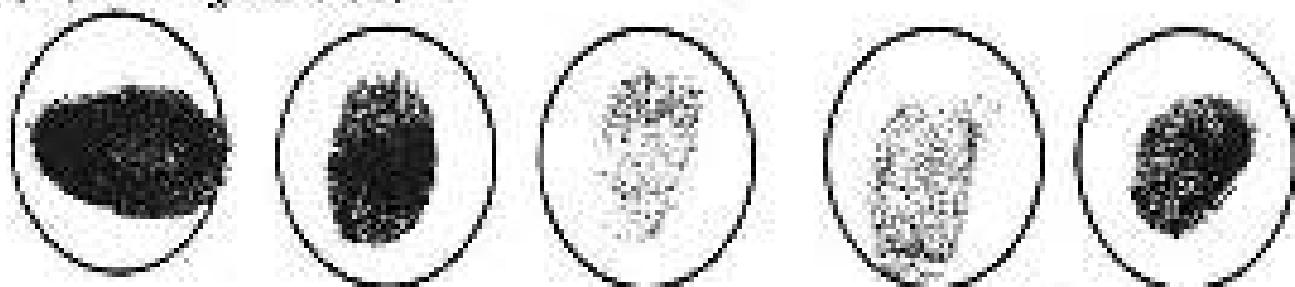
फिल्म प्रिलिंस

प्रायोगिक नियम यह है :-

प्रति 6 दिन एक अंगुली के लिए :-



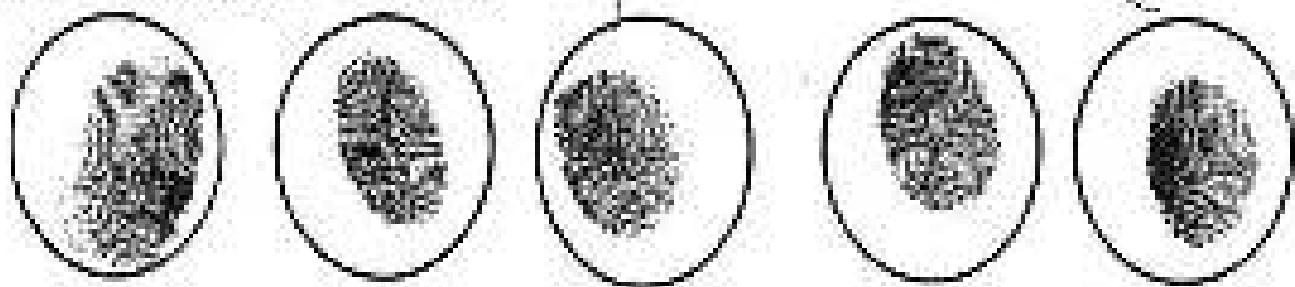
वाहिनी द्वारा एक अंगुली के लिए :-



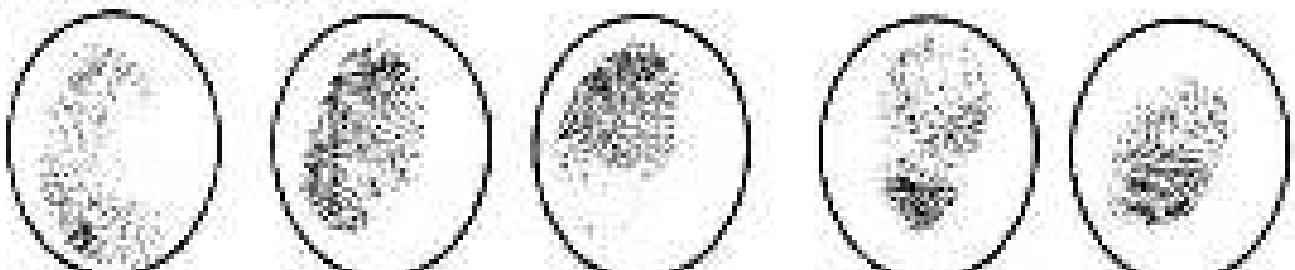
दृष्टि द्वारा

दिल्ली के नाम द्वारा :-

चाढ़े दो दिन की एक अंगुली के लिए :-



दाढ़न द्वारा एक अंगुली के लिए :-



For Maggots Test Plates Ltd.

दिल्ली के नाम द्वारा

अज निवाक 16/12/2006 को

दरी म 1 अल म 7985

पुङ स 327 मे 352 पा रमान 10732

गोपन्द्रम्भ दिया गया।

कृति
क. डे. शुभा

उप निवाक (प्रथम)
लघुनक
15/12/2006